1. पटना में स्थापित किया जाएगा राष्ट्रीय डॉल्फिन अनुसंधान केंद्र

- बहुप्रतीक्षित राष्ट्रीय डॉल्फिन अनुसंधान केंद्र (National Dolphin Research Centre - NDRC) जल्द ही पटना (बिहार) में स्थापित किया जाएगा। इस अनुसंधान केंद्र स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इस अनुसंधान केंद्र का खुलना लुप्तप्राय गंगा नदी डॉल्फिन (Gangetic River Dolphin) के संरक्षण की दिशा में एक बड़ा कदम होगा।
- अनुसंधान केंद्र स्थापित करने के लिए गंगा नदी के किनारे पटना विश्वविद्यालय के परिसर में 4400 वर्ग मीटर भूमि पर NDRC का निर्माण किया जा रहा है। बिहार शहरी विकास विभाग ने गंगा से 200 मीटर की दूरी पर NDRC के भवन के निर्माण को पहले ही मंजूरी दे दी है।

❑ प्रोजेक्ट डॉल्फिन (Project Dolphin)

- प्रोजेक्ट डॉल्फ़िन प्रोजेक्ट टाइगर की तर्ज पर शुरू किया गया था, जिससे बाघों की आबादी बढ़ाने में मदद मिली है। इस पहल को दिसंबर, 2019 में प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में राष्ट्रीय गंगा परिषद (National Ganga Council-NGC) की पहली बैठक में सैद्धांतिक मंजूरी मिली। यह गंगा की डॉल्फिन को बचाने के लिए शुरू किया गया एक विशेष संरक्षण कार्यक्रम है। यह परियोजना पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित की जाएगी।
- गंगा नदी में डॉल्फिन का आवास खतरे में है। इस प्रकार, NDRC अब डॉल्फ़िन के संरक्षण के लिए प्रयास करेगा। NDRC बदलते व्यवहार, खान-पान की आदतों, उत्तरजीविता कौशल, मृत्यु के कारण और ऐसे अन्य पहलुओं सहित डॉल्फिन पर गहन शोध का अवसर प्रदान करेगा।

❑ गंगा नदी डॉल्फिन

- गंगा नदी डॉल्फिन भारत का राष्ट्रीय जलीय जंतु है। इसे वन्य जीवन (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के तहत अनुसूची I पशु के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। इसे International Union for Conservation of Nature (IUCN) द्वारा "लुप्तप्राय" घोषित किया गया है।
- गंगा नदी डॉल्फिन दुनिया भर में ताजे पानी की चार डॉल्फिन प्रजातियों में से एक है। अन्य तीन मीठे पानी की डॉल्फ़िन चीन में यांग्त्ज़ी नदी

(अब विलुप्त हो चुकी हैं), पाकिस्तान में सिंधु नदी और दक्षिण अमेरिका में अमेज़ॅन नदी में पाई जाती हैं। वे कम से कम पाँच से आठ फीट गहरे पानी को पसंद करते हैं और आमतौर पर अशांत पानी में पाए जाते हैं, जहाँ वे अपने लिए पर्याप्त मछलियाँ पा सकते हैं।

2. भारत की पहली निजी LNG सुविधा संयंत्र का नागपुर में किया गया उद्घाटन

- 11 जुलाई, 2021 को सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने नागपुर में भारत के पहले तरल प्राकृतिक गैस (LNG) सुविधा संयंत्र का उद्घाटन किया है। इस संयंत्र का उद्घाटन करते हुए नितिन गडकरी ने वैकल्पिक जैव ईंधन (alternate biofuels) के महत्व और ऊर्जा व बिजली क्षेत्र की ओर कृषि के विविधीकरण पर जोर दिया। मंत्रालय ने एक नीति भी तैयार की है जो आयात विकल्प, लागत प्रभावी, प्रदूषण मुक्त और स्वदेशी इथेनॉल, LNG, जैव सीएनजी और हाइड्रोजन ईंधन के विकास को प्रोत्साहित करती है।
- नितिन गडकरी ने यह भी रेखांकित किया कि चावल, मक्का और चीनी में अधिशेष को वैकल्पिक ईंधन के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। उनके मुताबिक, ऑटोमोबाइल विनिर्माताओं खासकर चौपहिया और दोपहिया वाहनों के लिए फ्लेक्स इंजन अनिवार्य करने पर तीन महीने में फैसला लिया जाएगा।

❑ तरलीकृत प्राकृतिक गैस (LNG)

- LNG प्राकृतिक गैस है, मुख्य रूप से मीथेन (CH_4) जिसमें कुछ एथेन (C_2H_6) का मिश्रण होता है, जिसे आसान गैर-दबाव भंडारण और परिवहन के लिए तरल रूप में ठंडा किया गया है। यह गंधहीन, रंगहीन, गैर-विषाक्त और गैर-संक्षारक गैस है। LNG प्राकृतिक गैस का एक तरल रूप है। इसे आमतौर पर जहाजों के माध्यम से बड़ी मात्रा में उन देशों में भेजा जाता है जहां पाइपलाइन का जाना संभव नहीं है।
- प्राकृतिक गैस को 160 डिग्री सेल्सियस तक ठंडा करके तरल अवस्था में लाया जा सकता है जिससे कि यह गैसीय मात्रा के मुकाबले 1/600वे हिस्से में रखी जा सके। इसलिए इसे तरलीकृत प्राकृतिक गैस कहा जाता है जिससे गैस परिवहन में कम जगह का इस्तेमाल करती है। प्राकृतिक गैस से तरलीकृत प्राकृतिक गैस बनाने की प्रक्रिया के दौरान बहुत सारी अशुद्धियां निकल जाती है। इसलिए एलएनजी को प्राकृतिक गैस का शुद्धतम रूप माना जाता है।

3. ओडिशा के पुरी में जगन्नाथ यात्रा का हुआ शुभारंभ

- ओडिशा के पुरी में हर साल निकलने वाली प्रसिद्ध जगन्नाथ यात्रा का आयोजन इस साल भी किया जा रहा है। भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा जिसे गुण्डीचा यात्रा, पतितपावन यात्रा, जनकपुरी यात्रा, नवदिवसीय यात्रा तथा दशावतार यात्रा के नाम से जाना जाता है। यह यात्रा 12 जुलाई, 2021 से 20 जुलाई, 2021 तक चलेगी। पिछले साल की तरह इस साल भी
- कोरोना गाइडलाइंस के चलते लाखों की संख्या में श्रद्धालु इसमें भाग नहीं ले सकेंगे। लेकिन शास्त्रोंक्त सभी रीति और रस्मों का विधिवत पालन किया जाएगा। ओडिशा के पुरी के अतिरिक्त देश कई और हिस्सों में भी लोंग भगवान जगन्नाथ की यात्रा निकालते हैं।
- जगन्नाथ रथ यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। रथ यात्रा एक हिंदू त्योहार है जिसका संबंध भगवान जगन्नाथ से है तथा इसका आयोजन पुरी, ओडिशा में किया जाता है। इस रथ यात्रा की शुरुआत आषाढ़ मास (पारंपरिक उड़िया कैलेंडर के अनुसार तीसरा महीना) के शुक्त पक्ष की द्वितिया तिथि को होती है।
- यह 9 दिन तक चलने वाला कार्यक्रम है तथा भगवान कृष्ण की अपने भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ पुरी के सारदा बाली के निकट मौसी माँ मंदिर से होते हुए गुंडिचा मंदिर में वापसी का प्रतीक है। उत्सव के दौरान भगवान जगन्नाथ, उनके भाई बलराम (बलभद्र) और बहन सुभद्रा की मूर्तियों को ले जाने वाले तीन पवित्र रथों को भारत के साथ-साथ विदेशों से आने हज़ारों भक्तों द्वारा खींचा जाता है।

❑ जगन्नाथ मंदिर

- ऐसी मान्यता है कि इस मंदिर का निर्माण 12वीं शताब्दी में पूर्वी गंग राजवंश (Eastern Ganga Dynasty) के राजा अनंतवर्मन चोडगंग देव द्वारा किया गया था। जगन्नाथ पुरी मंदिर को 'यमनिका तीर्थ' भी कहा जाता है, जहाँ हिंदू मान्यताओं के अनुसार, पुरी में भगवान जगन्नाथ की उपस्थिति के कारण मृत्यु के देवता 'यम' की शक्ति समाप्त हो गई है।
- इस मंदिर को "श्वेत पैगोडा" कहा जाता था और यह चारधाम तीर्थयात्रा (बद्रीनाथ, द्वारका, पुरी, रामेश्वरम) का एक हिस्सा है। मंदिर के चार (पूर्व में 'सिंह द्वार', दक्षिण में 'अश्व द्वार', पश्चिम में 'व्याघरा द्वार' और उत्तर में 'हस्ति द्वार') मुख्य द्वार हैं। प्रत्येक द्वार पर नक्काशी की गई है।
- प्रत्येक द्वार पर विभिन्न प्रकार की नक्काशी है। इसके प्रवेश द्वार के सामने अरुण स्तंभ या सूर्य स्तंभ स्थित है, जो मूल रूप से कोणार्क के सूर्य मंदिर में स्थापित था।

❑ ओडिशा के अन्य स्मारक

- कोणार्क सूर्य मंदिर (यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल), लिंगराज मंदिर, तारा तारिणी मंदिर, उदयगिरि और खंडगिरि गुफाएँ

4. असम में मिली भूमिगत मकड़ी की दो नई प्रजातियाँ

- हाल ही में पश्चिमी असम के चिरांग रिज़र्व फॉरेस्ट की 'झारबारी रेंज' में भूमिगत मकड़ियों की दो नई प्रजातियों - ग्रेवेलिया बोरो और डेक्सिपस क्लेनी की खोज की गई है। इन दोनों मकड़ियों को बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र में खोजा गया है। पहली मकड़ी यानी 'ग्रेवेलिया बोरो' का नाम बोडो समुदाय के नाम पर रखा गया है और यह मिट्टी, वनस्पति तथा रेशम से बने कॉर्क जैसे जाल के साथ बिलों का निर्माण करती है।
- ये मकड़ियाँ रेतीली-दोमट सतह से लगभग 10-15 सेंटीमीटर नीचे भूमिगत रहती है। वहीं 'डेक्सिपस क्लेनी' एक ओरिएंटल जंपिंग मकड़ी है, जिन्हें पहली बार इस क्षेत्र में देखा गया है। इस मकड़ी को मूलतः 129 वर्ष पूर्व स्वीडिश पुरातत्त्वविद् टॉर्ड टैमरलान थोरेल द्वारा खोजा गया था। 'डेक्सिपस क्लेनी' 'साल्टिसिडे' परिवार की सदस्य है, जो पृथ्वी पर मकड़ियों का सबसे बड़ा परिवार है।

5. इटली ने जीता यूरो 2020 का ख़िताब

- 11-12 जुलाई, 2021 की रात को लंदन के वेम्बले स्टेडियम में खेले गए यूरो कप के फाइनल में इटली ने इंग्लैंड को हराकर यूरो 2020 का ख़िताब जीत लिया है। निर्धारित समय में दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर रही। इसके बाद पेनल्टी शूटआउट में इटली ने इंग्लैंड को 3-2 से पराजित किया। इटली की टीम 53 साल बाद यूरो कप ट्रॉफी जीतने में कामयाब हुई है।
- उसने पिछली बार यह खिताब वर्ष 1968 में युगोस्लाविया को हराकर जीता था। इटली की टीम पिछले 34 मैच से अजेय है। इटली के लियोनार्डो बनूची ने मैच के 67वें मिनट में गोल किया। इसी के साथ वे यूरो कप के फाइनल में गोल करने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए। उनकी उम्र 34 साल 71 दिन रही।
- इटली ने यह अपना छठा मेजर टूर्नामेंट खिताब जीता है। उसने अब तक 4 बार फीफा वर्ल्ड कप के अलावा 2 बार यूरो कप खिताब भी जीता है।

यूरोपियों देशों में उससे ज्यादा सिर्फ जर्मनी ही है, जिसने 7 बार मेजर टूर्नामेंट खिताब जीते हैं।

- **इटली दूसरी टीम, जिसने 10वां मेजर टूर्नामेंट फाइनल खेला**

- यह इटली का 10वां मेजर टूर्नामेंट फाइनल रहा। टीम ने अब तक 6 बार वर्ल्ड कप और 4 बार यूरो कप का फाइनल खेला है। यूरोपियन देशों में इटली से ज्यादा सिर्फ जर्मनी ने ही 14 मेजर टूर्नामेंट फाइनल खेला है। इटैलियन टीम 2000 और 2012 यूरो कप के फाइनल में पहुंच चुकी है। 2000 में उसे फ्रांस और 2012 में स्पेन के हाथों हार मिली थी। जर्मनी और USSR ही इटली से ज्यादा बार फाइनल में जाकर हारी हैं। दोनों टीमें 3-3 बार फाइनल हार चुकी हैं।

- **इंग्लिश टीम फाइनल में पहुंचने वाली 13वीं नई टीम**

- इंग्लैंड टीम यूरो कप के फाइनल में पहुंचने वाली 13वीं नई टीम रही। अब तक 13 में से सिर्फ 4 टीम ही अपने पहले फाइनल में हारी हैं। बाकी 9 बार नई टीमें ट्रॉफी जीतीं। इंग्लैंड के अलावा युगोस्लाविया को 1960, बेल्जियम को 1980 और पुर्तगाल को 2004 के यूरो कप फाइनल में हार मिली थी।

- **इंग्लैंड के खिलाफ मेजर टूर्नामेंट मैच नहीं हारा इटली**

- इटली ने इंग्लैंड के खिलाफ कभी भी मेजर टूर्नामेंट मैच नहीं हारा है। इटैलियन टीम ने कुल 5 मैच में से 4 जीते हैं और 1 मैच ड्रॉ रहा। इस फाइनल से पहले इटली ने इंग्लिश टीम को 1980 यूरो में 1-0, 1990 और 2014 वर्ल्ड कप में 2-1 और यूरो 2012 में पेनल्टी शूटआउट में हराया था।

- **इंग्लिश टीम इटली के खिलाफ पिछले 2 मैच ही जीत सकी**

- इटली के खिलाफ अब तक 15 मुकाबले में इंग्लिश टीम ने सिर्फ 2 मैच जीते हैं। 8 मैचों में इटली को जीत मिली, जबकि 5 मैच ड्रॉ रहे। इंग्लैंड ने पिछली बार इटली को अगस्त 2013 में 2-1 और जून 1997 में 2-0 से हराया था। यह दोनों फ्रेंडली मैच थे।

- **यूरो (EURO)**

- यूरो को UEFA European Football Championship भी कहा जाता है। यह यूरोप में आयोजित होने वाली प्रमुख खेल प्रतियोगिता है। इसका आयोजन 4 साल के बाद किया जाता है। इसकी शुरुआत 1958 में हुई थी। अब तक इस प्रतियोगिता को सबसे ज्यादा बार स्पेन और जर्मनी ने 3-3 बार जीता है। जबकि पिछली बार 2016 में आयोजित प्रतियोगिता को पुर्तगाल ने जीता था।

6. 12 जुलाई को मनाया गया मलाला दिवस

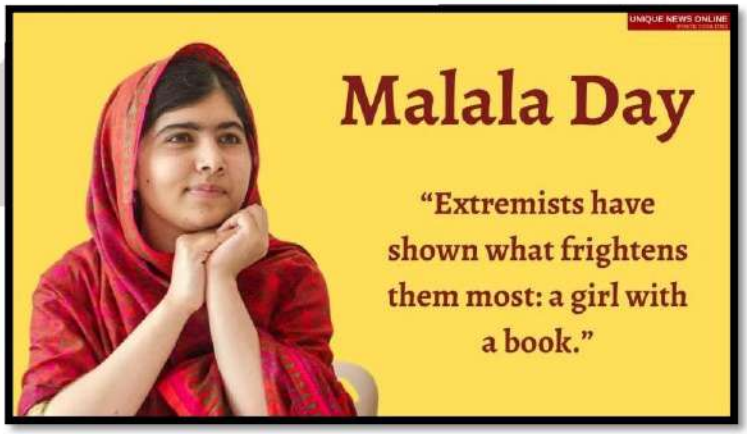

- प्रतिवर्ष 12 जुलाई को संयुक्त राष्ट्र द्वारा महिलाओं और बच्चों के अधिकारों का सम्मान करने के लिए वैश्विक स्तर पर मलाला दिवस का

आयोजन किया जाता है। मलाला दिवस को दुनिया भर में महिलाओं और बच्चों के अधिकारों का सम्मान करने के लिए मलाला यूसुफजई के जन्मदिन के दिन मनाया जाता है।

- 12 जुलाई, 1997 को पाकिस्तान में जन्मी मलाला यूसुफज़ई एक सामाजिक कार्यकर्त्ता हैं, जो महिला शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में अनवरत संघर्ष कर रही हैं। उन्होंने पाकिस्तान में बालिका शिक्षा पर प्रतिबंध का सार्वजनिक और ज़ोरदार विरोध किया तथा बालिकाओं को शिक्षित करने की आवश्यकता की वकालत की। लड़कियों की शिक्षा के लिए सार्वजनिक रूप से आवाज उठाने वाली मलाला पर तालिबान बंदूकधारियों द्वारा 9 अक्टूबर 2012 को गोली चलाई गई थी।
- हमले में गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद, मलाला जल्द ही स्वस्थ होकर लोगों के बीच लौटी और पहले की तुलना में उनके विचारों में उग्रता दिखाई दी और लिंग अधिकारों के लिए उनकी वकालत की। इनकी बहादुरी के कारण ही संयुक्त राष्ट्र ने मलाला के 16वें जन्मदिन के अवसर पर (2013) 12 जुलाई को मलाला दिवस मनाने की घोषणा की।
- गौरतलब है कि 10 अक्तूबर, 2014 को मलाला युसुफजई को 'बच्चों और महिलाओं की शिक्षा के लिये संघर्ष करने हेतु भारतीय बाल अधिकार कार्यकर्त्ता कैलाश सत्यार्थी के साथ संयुक्त तौर पर नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। इस तरह वह सबसे छोटी उम्र की नोबेल शांति पुरस्कार प्राप्तकर्त्ता हैं। इसके अलावा वर्ष 2012 में उन्हें पाकिस्तान सरकार द्वारा राष्ट्रीय युवा शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उन्होंने युवा लड़कियों को स्कूल जाने में मदद करने के लिये एक गैर-लाभकारी संगठन 'मलाला फंड' की भी स्थापना की है। मलाला को कनाडा की मानद नागरिकता से भी नवाज़ा जा चुका है।

7. उत्तराखंड में किया गया भारत के पहले क्रिप्टोगैमिक गार्डन का उद्घाटन

- 11 जुलाई, 2021 को उत्तराखंड में देहरादून के देवबन क्षेत्र में लगभग 50 विभिन्न प्रजातियों के साथ भारत का पहला क्रिप्टोगैमिक उद्यान का उद्घाटन किया गया है। यह उद्यान 9000 फीट की ऊंचाई पर स्थित है और तीन एकड़ के क्षेत्र में फैला हुआ है। जिले के चकराता कस्बे में स्थित इस उद्यान का उद्घाटन सामाजिक कार्यकर्ता अनूप नौटियाल ने किया। क्रिप्टोगैम पादपों की 76 प्रजातियां एक ही स्थान पर देखने को मिल जाएंगी, जो वातावरण को प्रदूषण मुक्त बनाती हैं।
- इनमें से कुछ प्रजातियां औषधीय महत्व से भी परिपूर्ण हैं। चकराता वन प्रभाग के अंतर्गत आने वाले इस गार्डन को वन अनुसंधान केंद्र हल्द्वानी ने तैयार किया है। समुद्र तल से करीब 2700 मीटर की ऊंचाई पर तीन एकड़ क्षेत्र में फैले इस गार्डन को महज छह लाख रुपये में तैयार किया गया है। देवबन इलाके में देवदार और ओक के

प्राचीन जंगल हैं। प्रदूषण मुक्त क्षेत्र होने के कारण यह क्षेत्र क्रिप्टोगैम के विकास के लिए मुफीद है।

❑ **क्रिप्टोगैम क्या है?**

- क्रिप्टोगैम का अर्थ है "छिपा हुआ प्रजनन" इस तथ्य का जिक्र है कि न तो कोई बीज, ना ही कोई फूल पैदा होता है। इस प्रकार, क्रिप्टोगैम गैर-बीज वाले पौधों का प्रतिनिधित्व करते हैं। शैवाल, ब्रायोफाइट्स (मॉस, लिवरवॉर्ट्स), लाइकेन, फ़र्न और कवक क्रिप्टोगैम के सबसे प्रसिद्ध समूह हैं जिन्हें जीवित रहने के लिए नम परिस्थितियों की आवश्यकता होती है।

8. भारतीय मूल के समीर बनर्जी बने विंबलडन जूनियर चैंपियन

- 11 जुलाई, 2021 को भारतीय मूल के अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी समीर बनर्जी ने नंबर 1 कोर्ट में विंबलडन जूनियर पुरुष चैंपियनशिप का खिताब जीता है। उन्होंने ऑल इंग्लैंड क्लब में ट्रॉफी अपने नाम करने के लिए जूनियर पुरुष फाइनल में अमेरिका के विक्टर लिलोव को 7-5, 6-3 से हराया।
- वर्ष 2014 के बाद पहली बार और वर्ष 1977 के बाद से केवल दूसरी बार,बॉयज के एकल आयोजन के लिए एक अखिल अमेरिकी निष्कर्ष था। विशेष रूप से, दोनों 17 वर्षीय चैंपियनशिप के लिए गैर वरीयता प्राप्त थे। जूनियर फ्रेंच ओपन में बनर्जी पहले दौर में ही बाहर हो गए थे। युकी भांबरी जूनियर एकल खिताब जीतने वाले आखिरी भारतीय थे। उन्होंने 2009 में ऑस्ट्रेलियन ओपन में जीत हासिल की थी।
- सुमित नागल ने 2015 में वियतनाम के ली होआंग के साथ विम्बलडन लड़कों का युगल खिताब जीता था। रामनाथन कृष्णन 1954 जूनियर विम्बलडन चैम्पियनशिप जीत का जूनियर ग्रैंड स्लैम जीतने वाले पहले भारतीय थे। उनके बेटे रमेश कृष्णन ने 1970 जूनियर विम्बलडन और जूनियर फ्रेंच ओपन खिताब जीता था। लिएंडर पेस ने 1990 जूनियर विम्बलडन और जूनियर यूएस ओपन जीता था। पेस जूनियर ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भी उपविजेता रहे थे।

❑ **विंबलडन चैंपियनशिप 2021: विजेताओं की पूरी सूची**

- पुरुष एकल- नोवाक जोकोविच (सर्बिया)
- महिला एकल- एशले बार्टी (ऑस्ट्रेलिया)
- पुरुष युगल- निकोला मेकटिक और मेट पावि
- महिला युगल- हसीह सु-वेई और एलिस मर्टेंस
- मिश्रित युगल- नील स्कुपस्की और देसिरा क्रावस्की

9. स्वदेशी आस्था, संस्कृति की रक्षा के लिए असम में बनेगा नया विभाग

- 10 जुलाई, 2021 को असम मंत्रिमंडल ने राज्य में एक स्वतंत्र विभाग बनाने की घोषणा की है। इस विभाग को स्वदेशी आस्था और संस्कृति विभाग के रूप में देखा जा रहा है। यह विभाग राज्य के जनजातियों और स्वदेशी समुदायों के आस्था, संस्कृति और परंपराओं की रक्षा और संरक्षण के लिए बनाया जाएगा।
- असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा ने कहा कि राज्य की जनजातियों, समुदायों की अपनी मान्यताएं, रीति-रिवाजों और प्रथाएँ है। स्वदेशी आस्था और संस्कृति विभाग का उद्देश्य ऐसी प्रथाओं को संरक्षित करना है। राज्य के मुख्यमंत्री ने बताया कि वित्त मंत्रालय इस विभाग के लिए अलग से बजट आवंटित करेगा। इस दौरान मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा ने कई वित्तीय सुधारों की घोषणा भी की है। उनके अनुसार विभाग प्रमुख 2 करोड़ रुपए और उससे कम की परियोजनाओं और योजनाओं को हरी झंडी दिखा सकते हैं।

10. शेर बहादुर देउबा होंगे नेपाल के नए प्रधानमंत्री

- नेपाल के सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण आदेश देते हुए 12 जुलाई, 2021 को राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी को निर्देश दिया कि नेपाली कांग्रेस प्रमुख देउबा को 12 जुलाई, 2021 प्रधानमंत्री नियुक्त किया जाए और पांच महीने में दूसरी बार प्रतिनिधि सभा को बहाल कर दिया जाएगा।
- शेर बहादुर देउबा साल 1995 से लेकर 1997 तक और उसके बाद साल 2001 से लेकर 2002 तक फिर साल 2004 से लेकर 2005 तक पीएम रह चुके हैं।
- प्रधान न्यायाधीश चोलेंद्र शमशेर राणा के नेतृत्व वाली उच्चतम न्यायालय की पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने फैसला सुनाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के. पी. शर्मा ओली की अनुशंसा पर राष्ट्रपति भंडारी का निचले सदन को भंग करने का फैसला असंवैधानिक कृत्य था। इसे वयोवृद्ध कम्युनिस्ट नेता के लिये बड़े झटके के तौर पर देखा जा रहा है, जो समय पूर्व चुनावों की तैयारी कर रहे थे।

- प्रधान न्यायाधीश राणा ने कहा कि पीठ इस नतीजे पर पहुंची है कि जब सांसद संविधान के अनुच्छेद 76(5) के तहत नये प्रधानमंत्री के निर्वाचन के लिये मतदान में हिस्सा लेते हैं, तब पार्टी व्हिप लागू नहीं होता। संविधान पीठ में उच्चतम न्यायालय के चार अन्य वरिष्ठतम न्यायाधीश- दीपक कुमार करकी, मीरा खडका, ईश्वर प्रसाद खातीवाड़ा और डॉ. आनंद मोहन भट्टराई - शामिल थे। पीठ ने पिछले हफ्ते मामले में सुनवाई पूरी की थी।
- राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी ने प्रधानमंत्री ओली की अनुशंसा पर 275 सदस्यीय निचले सदन को 22 मई, 2021 को पांच महीने में दूसरी बार भंग कर दिया था और 12 व 19 नवंबर को मध्यावधि चुनाव की घोषणा की थी। चुनावों को लेकर अनिश्चितता के बीच निर्वाचन आयोग ने पिछले हफ्ते मध्यावधि चुनावों के कार्यक्रम की घोषणा की थी। नेपाली कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन द्वारा दायर याचिका समेत करीब 30 याचिकाएं राष्ट्रपति द्वारा सदन को भंग किए जाने के खिलाफ दायर की गई थीं।
- विपक्षी दलों के गठबंधन की तरफ से भी एक याचिका दायर की गई थी, जिस पर 146 सांसदों के हस्ताक्षर थे और इसमें संसद के निचले सदन को फिर से बहाल करने तथा देउबा को प्रधानमंत्री नियुक्त किये जाने की मांग की गई थी।
- नेपाल पिछले साल 20 दिसंबर को तब सियासी संकट में घिर गया था, जब सत्ताधारी नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एनसीपी) में वर्चस्व को लेकर मची खींचतान के बीच प्रधानमंत्री ओली की अनुशंसा पर राष्ट्रपति भंडारी ने संसद के निचले सदन को भंग कर दिया था और 30 अप्रैल तथा 10 मई को नए चुनाव कराने की घोषणा की थी। सुप्रीम कोर्ट ने 23 फरवरी को प्रधानमंत्री ओली को झटका देते हुए भंग की गई प्रतिनिधि सभा को बहाल करने के आदेश दिए थे।

SarkariExam.com